Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding Air pollution in Delhi-NCR.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका अत्यन्त आभारी हूँ कि आपने मुझे एक तात्कालिक लोक महत्त्व के विषय पर बोलने का अवसर दिया है ।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट है कि किसी भी समाज के लिए एयर क्वालिटी इंडेक्स सौ से नीचे होनी चाहिए । आइडियल एयर क्वालिटी इंडेक्स 21 से 30 तक होनी चाहिए । चाहे दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, यू.पी हो, जिस तरह से ए.क्यू.आई. लगातार 500 से 600 के बीच रहा है, यहाँ तक कि पिछले कुछ दिनों में 1000 से ऊपर ए.क्यू.आई. पहुँच गया था, जिसके कारण स्कूल बंद करने पड़े, बच्चों को घरों में कैद रहना पड़ा, दिल्ली की सड़कें सूनी हो गईं । इसके संबंध में केवल ब्लेम गेम हो रहे हैं । दिल्ली के मुख्य मंत्री प्रेस कांफ्रेंस कर रहे हैं कि पंजाब के मुख्य मंत्री काम नहीं कर रहे हैं, पराली जलाने को कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं । आखिर दिल्ली की जनता या इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने कौन-सा गुनाह किया है कि सरकार केवल ब्लेम गेम करे । दिल्ली सरकार को एयर पल्यूशन से निजात दिलाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा 192 करोड़ रुपये दिए गए और दिल्ली के एमसीडीज को 262 करोड़ रुपये दिए गए । दिल्ली देश की राजधानी है । इस दिशा में, सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों के चीफ सेक्रेट्रीज को कहा है और पीएमओ भी चीफ सेक्रेट्रीज को डायरेक्शंस दे रहा है ।

आपके माध्यम से मैं कहना चाहता हूँ कि ऐसे गंभीर विषय पर आखिर कौन-से उपाय किए जाएंगे कि बजट देने के बाद भी इस प्रदूषण को कम नहीं कर सके, तो लोग कैसे दिल्ली-एनसीआर में रह पाएंगे ।

माननीय सभापति : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाये गये विषय से संबंध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

सभी माननीय सदस्यों से मेरा निवेदन है कि वे अपनी बात केवल एक मिनट में पूरी करें ताकि अधिक-से-अधिक सदस्यों को बोलने का अवसर दिया जा सके ।